बालगोबिन भगत

कक्षा - 10

- रामवृक्ष बेनिपुरी

प्रस्तुतकर्त्रीः डॉ• लाजो कपूर

सच्चा संत

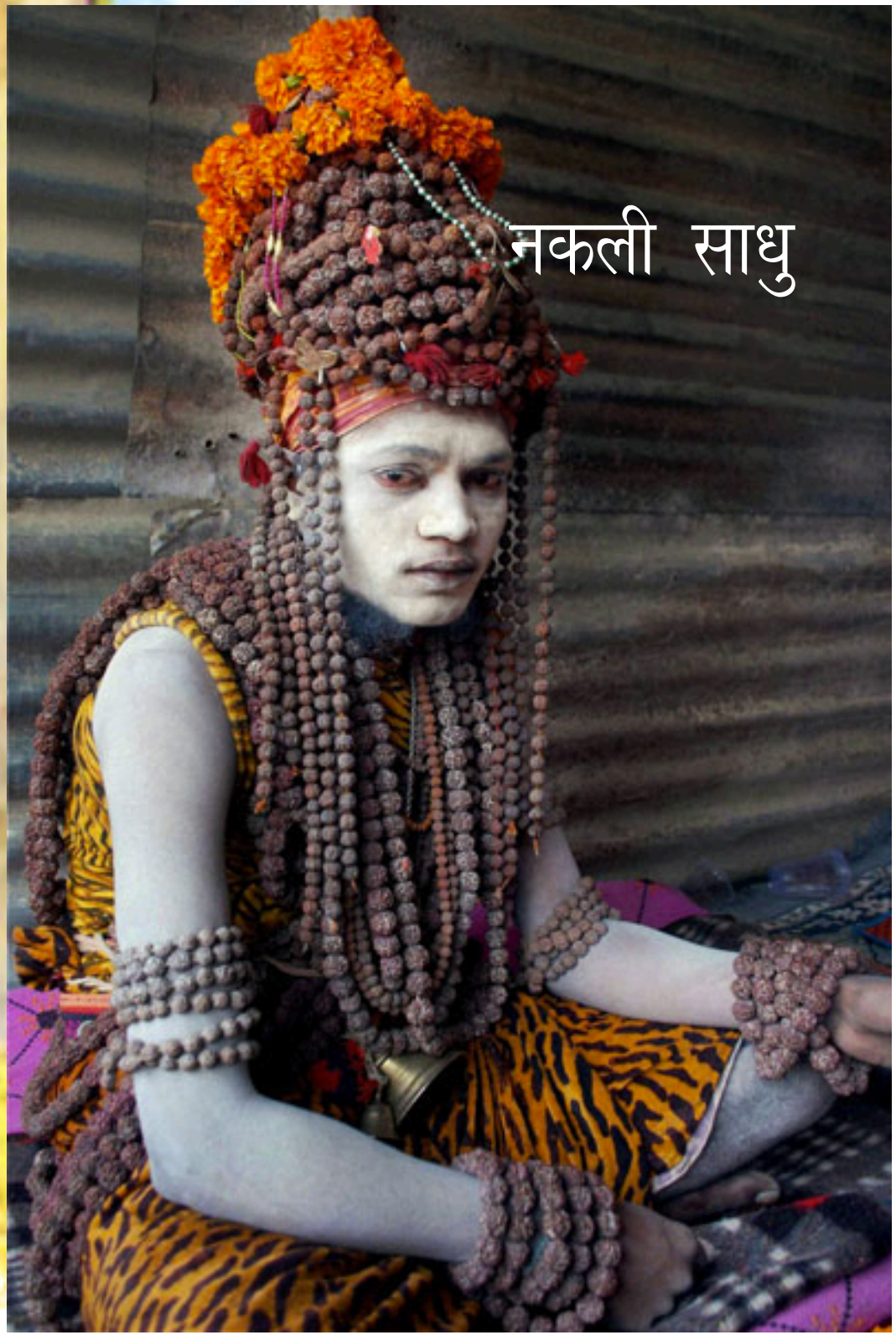
नकली साधु

प्रभात फेरी

गीत–बाबा मन की आँखें खोल

कबीर की टोली का दृश्य

कबीर मठ, काशी

Download from
ID 18326271

बाल गोविन्द भगत का जीवन
मनुष्यता, लोक संस्कृति एवं
सामूहिक चेतना के प्रतीक

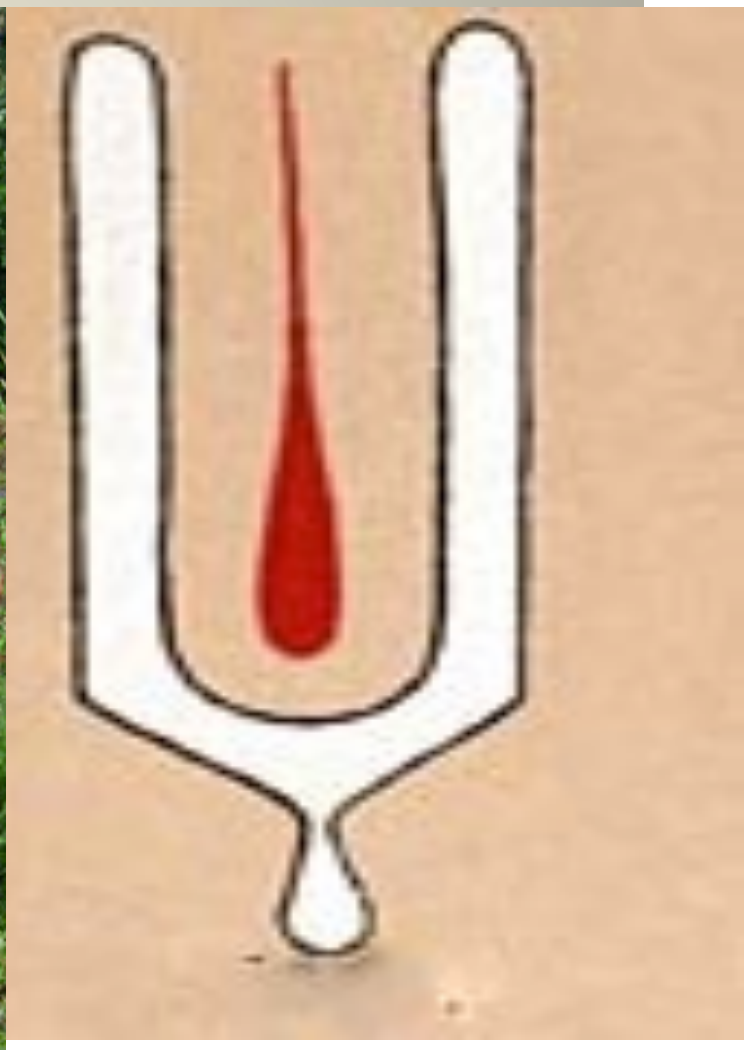

ग्रामीण जीवन की सजीव झांकी

बाल गोविन्द भगत का चरित्र अनुकरणीय क्यों है ?

- संतोषी त्यागी प्रवृत्ति के एवं गृहस्थ होकर भी साधु से कम नहीं
- कबीर के सच्चे भक्त एवं अनुयायी- कथनी और करनी समान
- सामाजिक रूढ़ियों, मान्यताओं एवं गलित परम्पराओं के विरोधी
- सुरीला मधुर गला जो सबको सम्मोहित कर लेता था
- नियम एवं व्रत के पक्के
- दृढ़निश्चयी - जो सोचते वही करते

धन्यवाद